NCERT SOLUTIONS

CLASS - 10th

aglasem.com

Class : 10th
Subject : हिंदी
Chapter : 7
Chapter Name : छाया मत छूना

Q1 कवि ने कठिन यथार्थ के पूजन की बात क्यों कही है?
Answer.
कवि ने कठिन यथार्थ की पूजन की बात इसलिए कही है क्योंकि यथार्थ जीवन की सच्चाई है। व्यक्ति को ना चाहते हुए भी यथार्थ का सामना करना होगा वह वास्तविकता से नहीं भाग सकता। हमें कठिन यथार्थ का डटकर सामना करना चाहिए। यही हमारे भविष्य को सुखमय बनाने का हौसला देती है।

Page :- 47 , Block Name :- प्रश्न-अभ्यास

Q2 भाव स्पष्ट कीजिए -
प्रभुता का शरण-बिंब केवल मृगतृष्णा है,
हर चंद्रिका में छिपी एक रात कृष्णा है।
Answer.
प्रस्तुत पंक्ति प्रसिद्ध कवि गिरिजाकुमार माथुर द्वारा 'रचित छाया मत छूना'नामक कविता से ली गई है।
इसका भाव है कि अतीत की सुखद स्मृतियां मृगतृष्णा के समान है जिस प्रकार हिरण रेगिस्तान की रेत की चमक को पानी समझकर उसके पास भागकर जाता है परंतु पानी ना पाकर निराश होता है इसी प्रकार मनुष्य का बड़प्पन का एहसास मृगतृष्णा के समान है।मनुष्य को याद रखना चाहिए चांदनी रातों में अमावस्या की रात छुपी है अर्थात सुख के पीछे दुख छुपा रहता है।मनुष्य को सुख दुख का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए।

Page :- 47 , Block Name :- प्रश्न-अभ्यास

Q3 'छाया' शब्द यहाँ किस संदर्भ में प्रयुक्त हुआ है? कवि ने उसे छूने के लिए मना क्यों किया है?
Answer.
'छाया' शब्द का अर्थ जीवन की बीती मधुर स्मृतियों से है। यह मधुर यादें हमारे मन में उमड़ती रहती हैं। कवि ने इसे छूने से इसलिए मना किया है क्योंकि भ्रम में सुखद स्मृतियों का एहसास करने से उसकी प्राप्ति नहीं हो सकती। वह केवल दुखों को और बढ़ा देती है। हमें अतीत की स्मृतियों के भ्रम में नहीं रहना चाहिए।

Page :- 47 , Block Name :- प्रश्न-अभ्यास

Q4 कविता में विशेषण के प्रयोग से शब्दों के अर्थ में विशेषप्रभाव पड़ता है, जैसे कठिन यथार्थ। कविता में आए ऐसे अन्य उदाहरण छाँटकर लिखिए और यह भी लिखिए कि इससे शब्दों के अर्थ में क्या विशिष्टता पैदा हुई?
Answer.
कविता में आए कुछ विशेषण इस प्रकार हैं:- सुरंग सुधिया सुहावनी, जीवित क्षण, दुविधा हत साहस, दुख दूना, एक रात कृष्णा, रस बसंत, तन- सुगंध, शरण-बिंब।
इन विशेषणों के प्रयोग से भाषा में विशिष्टता उत्पन्न हुई है। कविता का अर्थ अधिक तर्कसंगत बन गया है।

Page :- 47 , Block Name :- प्रश्न-अभ्यास

Q5 'मृगतृष्णा' किसे कहते हैं, कविता में इसका प्रयोग किस अर्थ में हुआ है?
Answer.
मृगतृष्णा का अर्थ है हिरण की चाह। हिरण को रेगिस्तान में दूर चिलचिलाती धूप में पानी प्रतीत होता है जिसे देख प्यास से व्याकुल हिरण उसकी ओर दौड़ता है परंतु वहां पहुंचकर उसे पानी की जगह रेट दिखाई देती है जिससे उसका मन निराश हो जाता है। कवि ने मृगतृष्णा का प्रयोग बड़प्पन के एहसास के लिए किया है जिसके पीछे मनुष्य आजीवन भागता फिरता है।

Page :- 47 , Block Name :- प्रश्न-अभ्यास

Q6 'बीती ताहि बिसार दे आगे की सुधि ले' यह भाव कविता की किस पंक्ति में झलकता है?
Answer.
'जो ना मिलना भूल उसे कर तू भविष्य वरण' यह भाव झलकता है।

Page :- 47 , Block Name :- प्रश्न-अभ्यास

Q7 कविता में व्यक्त दुख के कारणों को स्पष्ट कीजिए।
Answer.
कविता में व्यक्त दुख के कारण निम्नलिखित हैं:-अतीत की सुखद स्मृतियों को याद करना।धन दौलत, पूंजी संजय की चाह। यथार्थ की अपेक्षा अतीत में खोकर पुरानी यादों में भ्रमित रहना। उचित अवसर पर सफलता न मिलना।

Page :- 47 , Block Name :- प्रश्न-अभ्यास

Q8 'जीवन में हैं सुरंग सुधियाँ सुहावनी', से कवि का अभिप्राय जीवन की मधुर स्मृतियों से है। आपने अपने जीवन की कौन-कौन सी स्मृतियाँ संजो रखी हैं ?
Answer.
छात्र स्वयं करें।

Page :- 47 , Block Name :- रचना और अभिव्यक्ति

Q9 क्या हुआ जो खिला फूल रस-बसंत जाने पर?' कवि का मानना है कि समय बीत जाने पर भी उपलब्धि मनुष्य को आनंद देती है। क्या आप ऐसा मानते हैं?तर्क सहित लिखिए।
Answer
कवि भले ही ऐसा मानता हो कि समय बीत जाने पर उपलब्धि मनुष्य को आनंद देती है। पर समय पर मिली उपलब्धि का महत्व और आनंद ही कुछ और होता है। यदि परिश्रम के तुरंत बाद सफलता नहीं मिलती तो मन निराश हो जाता है। जबकि समय पर मिली सफलता से मन उत्साहित रहता है। हर उपलब्धि का महत्व ठीक समय पर होता है।

Page :- 47 , Block Name :- रचना और अभिव्यक्ति

aglasem.com